Q.1) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

वैदिक साहित्य	संबद्धता
1. ब्राह्मण	दार्शनिक ज्ञान एवं आध्यात्मिक शिक्षा
2. अरण्यक	रहस्यवाद एवं प्रतीकवाद
3. उपनिषद	यज्ञ एवं अनुष्ठान

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.1) Solution (b)

- 'वैदिक साहित्य' शब्द का अर्थ 'वेदों पर आधारित या व्युत्पन्न साहित्य' है। वैदिक साहित्य के अंतर्गत निम्न ग्रंथ आते हैं:
  - चार वेद यानि संहिता
  - प्रत्येक संहिता से संबद्ध ब्राह्मण
  - अरण्यक, और
  - उपनिषद

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
ब्राह्मण वेदों की ऋचाओं की व्याख्या करते हैं। वे गद्य में लिखे गए हैं तथा वे अपने रहस्यवादी अर्थों के साथ विभिन्न यज्ञों और अनुष्ठानों का विस्तृत वर्णन करते हैं।	अरण्यक शब्द का अर्थ 'जंगल' है तथा इन्हें मुख्य रूप से जंगलों में रहने वाले ऋषियों और शिष्यों के लिए लिखी जाने वाली 'वन पुस्तकें' कहा जाता है। ये ब्राह्मणों या उनके परिशिष्टों के निष्कर्ष हैं। वे रहस्यवाद और प्रतीकवाद से संबंधित हैं।	उपनिषद शब्द की उत्पत्ति उपनिषद (Upanisad) से हुई है जिसका अर्थ 'किसी के समीप बैठना' है। ये दार्शनिक ज्ञान और आध्यात्मिक शिक्षा से संबंधित हैं।

Q.2) दर्शन के निम्नलिखित स्कूलों में से किसने जीवन के भौतिकवादी दृष्टिकोण को उन्नत किया?

1. सांख्य
2. न्याय
3. वैशेषिक
4. मीमांसा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 4
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) केवल 2 और 4

Q.2) Solution (c)

- सांख्य के अनुसार, संसार ईश्वर या देवत्व की तुलना में प्रकृति या प्रकृत के लिए अपने सृजन और विकास को अधिक महत्व देता है। यह भौतिकवादी विश्व दृष्टिकोण था।
- इसी प्रकार, वैशेषिक स्कुल ने भौतिक तत्वों की चर्चा को महत्व दिया और इस प्रकार इनका भौतिकवादी अभिविन्यास था।
- हालांकि, योग, न्याय, मीमांसा और वेदांत में गैर-भौतिकवादी दृष्टिकोण था।
- योग ध्यान को मोक्ष पाने के तरीके के रूप में प्रचारित करता है। न्याय ज्ञान प्राप्त करने के लिए तर्क का उपयोग करने का आह्वान करता है और इस प्रकार मोक्ष प्राप्त करता है। मीमांसा ने मुक्ति पाने के लिए वैदिक कर्मकांडों को सही ठहराने के लिए तर्क के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया।
- अन्त में वेदांत कहता है कि केवल ब्रह्म या आत्मा ही वास्तविकता है और बाकी सब कुछ असत्य या माया है, इसलिए ब्रह्म का ज्ञान मोक्ष का मार्ग है।

Q.3) भारत में धार्मिक ग्रंथों के संदर्भ में, 'उत्तराध्यायान सूत्त' पाठ का संबंध किससे है

a) जैन धर्म
b) बौद्ध धर्म
c) वैष्णव
d) शैव

Q.3) Solution (a)

- महावीर के उपदेश उनके शिष्यों द्वारा संकलित किए गए थे। ये अक्सर कहानियों के रूप में होते थे, जो आम लोगों से आसानी से जुड़ सकते थे।
- 'उत्तराध्यायान सूत्त' जैन साहित्य के ग्रंथों में से एक है जो प्राकृत में लिखा गया था तथा बताया गया था कि कैसे कमलावती नाम की एक रानी ने अपने पति को दुनिया त्याग करने के लिए मनाने की कोशिश की थी।

Q.4) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

भारतीय दर्शन के स्कूल	संस्थापक
1. लोकायत	मक्खली गोशाल
2. आजीवक	चार्वाक
3. जैन धर्म	महावीर

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3

c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.4) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
चार्वाक द्वारा स्थापित चार्वाक या लोकायत को विचार के भौतिकवादी और नास्तिक स्कूल के रूप में जाना जाता है। लोकायत सामान्य लोगों से प्राप्त विचारों को संदर्भित करता है तथा यह अन्य लोक में विश्वास की कमी दिखाते हुए संसार (लोक) के साथ अंतरंग संपर्क के महत्व को रेखांकित करता है। चार्वाक आनंदपूर्ण जीवन जीने पर जोर देता है और आध्यात्मिक मुक्ति की खोज का विरोध करता है।	आजीवक या, 'जीवन के मार्ग के अनुयायी', एक तपस्वी समूह थे जो बुद्ध और महावीर के समय में शुरू हुए, और 14 वीं शताब्दी तक पाए गए। आजीवक की स्थापना मक्खली गोशाल ने की थी। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मगध में आजीवक बहुत लोकप्रिय थे तथा मौर्य राजाओं ने आजीवक भिक्षुओं के सम्मान में कई गुफाएँ दान की थीं।	प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव (प्रतीक - बैल), जिनका संदर्भ ऋग्वेद और वायु पुराण में भी मिलता है, संस्थापक थे। वर्धमान महावीर जैन परंपरा के 24 वें तीर्थंकर थे। उनका जन्म वैशाली के पास कुंडाग्रम में क्षत्रिय माता-पिता सिद्धार्थ और त्रिशला के यहाँ हुआ था।

Q.5) भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. महायान सभी प्राणियों के लिए दुख से सार्वभौमिक मुक्ति में विश्वास करता है।
2. स्थिरवाद (Stharvivada) एक हीनयान संप्रदाय है।
3. महायान के विद्वानों द्वारा प्रयुक्त भाषा संस्कृत थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.5) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
महायान या "महान वाहन" बौद्ध धर्म का एक स्कूल है जो बुद्ध को भगवान के रूप में मानता है तथा बुद्ध और बोधिसत्व की मूर्तियों की पूजा करता है, जो बुद्ध प्रकृति का प्रतीक हैं।	हीनयान, छोटा वाहन, बुद्ध के मूल शिक्षण या महापुरुषों के सिद्धांत में विश्वास करता है। यह मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं करता है तथा आत्म-अनुशासन और ध्यान के माध्यम से	महायान का अंतिम उद्देश्य "आध्यात्मिक उत्थान" है। यह अमिताभ बुद्ध की कृपा के माध्यम से वैकल्पिक रूप से मोक्ष प्राप्त करने की अनुमति देता है तथा

महायान सभी प्राणियों (इसलिए 'महान वाहन') के लिए दुःख से सार्वभौमिक मुक्ति में विश्वास करता है।	व्यक्तिगत मोक्ष प्राप्त करने का प्रयास करता है। हीनयान का अंतिम उद्देश्य इस प्रकार निर्वाण है। स्थिरवाद या थेरवाद एक हीनयान संप्रदाय है। अशोक ने हीनयान को संरक्षण दिया। पाली, जन भाषा का उपयोग हीनयान विद्वानों द्वारा किया गया था।	विश्वास और बुद्ध की मानसिकता के लिए अपने आप को समर्पित करता है। महायान की भाषा मुख्य रूप से संस्कृत थी।

Q.6) बुद्ध के पूर्व जन्मों की कहानियाँ, जातक कथाएं निम्नलिखित में से किसका एक हिस्सा हैं?

a) दीग्घ निकाय
b) अंगुत्तर निकाय
c) खुदक्क निकाय
d) मज्झिम निकाय

Q.6) Solution (c)

- तीनों पिटकों को निकायों (पुस्तकों) में विभाजित किया गया है। उदाहरण के लिए, सूत्त पिटक में पाँच निकाय शामिल हैं: दीघ निकाय (लंबे प्रवचनों का संग्रह), मज्झिम निकाय (मध्यम लंबाई के प्रवचनों का संग्रह), सम्युत्त निकया (दयालु प्रवचनों का संग्रह), अंगुत्तर निकाय (संख्या के अनुसार व्यवस्थित प्रवचनों का संग्रह), और खुद्दक निकाय (छोटे संग्रह)।
- खुद्दक निकाय को पन्द्रह पुस्तकों में विभाजित किया गया है, उनमें से प्रमुख हैं जातक (बुद्ध के पूर्व जन्मों की कहानियाँ), धम्मपद (नैतिक कथनों से संबंधित छंद), निदेस (प्रतिपादन/ expositions), बुद्धवंश (बुद्ध का इतिहास)। पतिसंबिदा (विश्लेषणात्मक ज्ञान), थेरगाथा और थेरिगाथा (बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणियों के गीत)।

Q.7) जैन धर्म के "त्रिरत्न" में निम्नलिखित में से कौन शामिल हैं?

1. सम्यक ज्ञान
2. सम्यक विचार
3. सम्यक चरित्र
4. सम्यक दर्शन
5. सम्यक वाक्

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 4
b) केवल 2, 3 और 5
c) केवल 1, 3 और 4
d) केवल 3, 4 और 5

Q.7) Solution (c)

- जैन धर्म में तीन रत्नों (जिन्हें रत्नत्रय भी कहा जाता है) को सम्यक दर्शन ('सही विश्वास'), सम्यक ज्ञान ('सही ज्ञान') और सम्यक चरित्र ('सही कार्य') के रूप में समझा जाता है।
- तीनों में से कोई एक-दूसरों से मुक्त होकर अनन्य अस्तित्व में नहीं हो सकता है, तथा सभी का होना आध्यात्मिक मुक्ति के लिए आवश्यक है यानी सांसारिक बंधनों से मुक्ति की प्राप्ति को सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र के माध्यम से किया जा सकता है।

- बौद्ध धर्म में त्रिरत्न में बुद्ध, धम्म (सिद्धांत, या शिक्षा), और संघ (मठ व्यवस्था, या समुदाय) शामिल हैं। कोई यह कहकर बौद्ध बन जाता है कि 'मैं बुद्ध की शरण में जाता हूं, मैं धम्म की शरण में जाता हूं, मैं संघ की शरण के लिए जाता हूं।'

Q.8) जैन धर्म और बौद्ध धर्म के बीच समानता के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. दोनों ने वेदों की सत्ता को अस्वीकृत कर दिया तथा मोक्ष प्राप्त करने के साधन के रूप में मानवीय प्रयास पर जोर दिया।
2. दोनों ने ब्राह्मणों सहित अन्य सभी वर्णों पर क्षत्रिय वर्ण की श्रेष्ठता पर ध्यान केंद्रित किया।
3. दोनों ने सभी जातियों और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत किया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.8) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों ने वेदों की सत्ता को अस्वीकार कर दिया, मोक्ष प्राप्त करने के साधन के रूप में त्याग और मानव प्रयास पर जोर दिया, तथा पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एक मठवासी व्यवस्था की स्थापना की। बौद्ध धर्म की तरह, जैन धर्म मौलिक रूप से नास्तिक है; यद्यपि यह देवताओं के अस्तित्व को पहचानता है, फिर भी यह उन्हें विषयों की सार्वभौमिक योजना में महत्व देने से इनकार करता है और देवताओं को जिन (विजेता) से नीचे रखता है।	जैन और बौद्ध दोनों ही ब्राह्मणों सहित अन्य सभी वर्णों पर क्षत्रिय वर्ण की श्रेष्ठता पर केंद्रित थे। वे दोनों ब्राह्मण के अर्थ को एक नया अर्थ देने का प्रयास करते थे, जो कि अच्छे कार्यों द्वारा प्राप्त की गई स्थिति पर बल देते हुए जोर देते थे। वे एक बुद्धिमान व्यक्ति को स्वीकार करने के अर्थ में 'ब्राह्मण' शब्द का उपयोग करते हैं, जो सच्चा ज्ञान रखता है और एक अनुकरणीय जीवन जीता है।	बौद्ध संघ व्यवस्था की तरह, जैन धर्म में सभी जाति और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत किया गया। हरिकेशिया नाम के एक विद्वान जैन भिक्षु के बारे में अक्सर उल्लेख मिलता है, जो एक चांडाल परिवार के थे। ब्राह्मण वर्ण का प्रतिनिधित्व भद्रबाहु, दिवाकर, जिनसेन और हरिभद्र द्वारा किया जाता था। इसी तरह, जैन धर्म ने महिला भिक्षुणियों के लिए अपने दरवाजे खोले, जिन्हें आर्यिका या साध्वी के रूप में संबोधित किया जाता था।

Q.9) अशोक के बौद्ध धर्म में धर्मांतरण के बारे में कौन से शिलालेख में उल्लेख है?

a) हाथीगुम्फा अभिलेख
b) भाब्रू अभिलेख
c) कलसी अभिलेख
d) रुम्मिनदेई अभिलेख

Q.9) Solution (b)

- भाब्रु अभिलेख कहता है कि उपगुप्त के प्रभाव में अशोक बौद्ध बन गया था।
- रुम्मिनदेई अभिलेख बुद्ध के जन्मस्थान लुंबिनी के बारे में वर्णन करता है।
- उत्तर भारत में अशोक का एकमात्र अभिलेख, कलसी अभिलेख है। यह देहरादून में स्थित है।

Q.10) बौद्ध परिषदों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) प्रथम बौद्ध परिषद महाकस्सप्प की अध्यक्षता में राजगृह में आयोजित की गई थी।
b) वसुमित्र ने वैशाली में आयोजित द्वितीय बौद्ध परिषद की अध्यक्षता की थी।
c) तृतीय बौद्ध परिषद पाटलिपुत्र में अशोक के संरक्षण में आयोजित की गई थी।
d) चौथी बौद्ध परिषद कश्मीर में कनिष्क द्वारा आयोजित की गई थी।

Q.10) Solution (b)

बौद्ध परिषद	स्थान	शासक	अध्यक्ष
पहला (483 ईसा पूर्व)	राजगृह	अजातशत्रु	महकस्सप
दूसरा (383 ईसा पूर्व)	वैशाली	कालाशोक	सब्बकामी
तीसरा (250 ईसा पूर्व)	पाटलिपुत्र	अशोक	मोगलिपुत्त तिस्स
चौथी (पहली शताब्दी ईसा)	कश्मीर	कनिष्क	वसुमित्र

वैशाली में आयोजित दूसरी बौद्ध परिषद की अध्यक्षता सब्बाकामी ने की। इसलिए विकल्प (b) गलत है।

Q.11) तीन 'संगम' या तमिल कवियों का 'एक मिलन, निम्नलिखित में से किसके संरक्षण में बुलाई गई हैं?

a) चेर
b) चोल
c) पांड्य
d) पल्लव

Q.11) Solution (c)

- संगम युग दक्षिण भारत के प्रारंभिक इतिहास में उस अवधि को संदर्भित करता है, जब तमिल में बड़ी संख्या में कविताओं की रचना कई लेखकों ने की थी। 'संगम' शब्द का तात्पर्य तमिल कवियों की सभा या मिलन से है।
- माना जाता है कि मदुरै के पांड्य राजाओं के संरक्षण में तीन संगमों या सभाओं को एक के बाद एक विभिन्न स्थानों पर बुलाया गया था।
- कविताओं को पुराने समय के मार्मिक गीतों पर आधारित किया गया था, तथा अंत में कवियों द्वारा लिखे जाने से पहले उन्हें अनिश्चित काल के लिए मौखिक रूप से प्रसारित किया गया था।

संगम	संगम का स्थान	अध्यक्ष	परिणाम / प्रासंगिक तथ्य
प्रथम	थेनमदुरै	अगस्त्य	इस सभा के कोई अवशेष नहीं बचे हैं।

	(Thenmadurai)		
द्वितीय	कपाटपुरम	अगस्त्य तोलकप्पियार (अगस्त्य का एक शिष्य)	तोल्कपियर द्वारा केवल तोल्कापियम (एक तमिल व्याकरण) अभी मौजूद है।
तृतीय	मदुरै	नक्किरर्	मौजूदा संगम साहित्य के संपूर्ण कोष को संरचित करता है।

Q.12) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

दर्शन	संस्थापक
1. द्वैत	शंकराचार्य
2. विशिष्टाद्वैत	रामानुज
3. शुद्धाद्वैत	निम्बार्क
4. द्वैताद्वैत	वल्लभाचार्य

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 4
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1, 2 और 3
d) केवल 1, 3 और 4

Q.12) Solution (d)

- नौवीं शताब्दी में शंकराचार्य ने हिंदू धर्म को एक नया उन्मुखीकरण देते हुए एक हिंदू पुनरुत्थानवादी आंदोलन आरंभ किया। उनका जन्म केरल के कलाडी में हुआ था। अद्वैत या अद्वैतवाद के उनके सिद्धांत का सार आम जन को बहुत आकर्षित करने वाला था। इसके अलावा, सगुणब्रह्मण (गुणों के साथ ईश्वर) के विचार के उदय के साथ निर्गुणब्रह्मण (गुणों के बिना ईश्वर) की अद्वैत अवधारणा के विरुद्ध प्रतिक्रिया भी हुई।
- बारहवीं शताब्दी में, आधुनिक चेन्नई के पास श्रीपेरुम्बुदूर में पैदा हुए रामानुज ने विशिष्टद्वैत का प्रचार किया। उनके अनुसार भगवान सगुणब्रह्मण हैं। रचनात्मक प्रक्रिया और सृष्टि की सभी वस्तुएं वास्तविक हैं, माया नहीं है जैसा कि शंकराचार्य द्वारा कहा गया था। इसलिए, ईश्वर, आत्मा, पदार्थ वास्तविक हैं। लेकिन ईश्वर आंतरिक पदार्थ है और बाकी उसके गुण हैं।
- तेरहवीं शताब्दी में, कन्नड़ क्षेत्र के माधव ने जीवात्मा और परमात्मा के द्वैत या द्वैतवाद का प्रचार किया। उनके दर्शन के अनुसार, संसार एक माया नहीं है बल्कि एक वास्तविकता है। ईश्वर, आत्मा, पदार्थ प्रकृति में अद्वितीय हैं।
- निम्बार्क का द्वैतवाद: द्वैतवाद का अर्थ द्वैतवादी अद्वैतवाद है। इस दर्शन के अनुसार भगवान ने स्वयं को संसार और आत्मा में बदल लिया है। यह संसार और आत्मा ईश्वर (ब्रह्म) से अलग है। वे केवल ईश्वर के सहारे जीवित रह सकते थे। वे अलग हैं लेकिन निर्भर हैं।
- वल्लभाचार्य की शुद्धाद्वैत: वल्लभाचार्य ने वेदांत सूत्र और भगवद्गीता पर भाष्य लिखे। उसके लिए ब्राह्मण (भगवान) श्री कृष्ण थे जिन्होंने स्वयं को आत्मा और पदार्थ के रूप में प्रकट किया। ईश्वर और आत्मा अलग-अलग

नहीं हैं, बल्कि एक हैं। उनका ज़ोर शुद्ध गैर-द्वैतवाद पर था। उनके दर्शन को पुष्टिमार्ग (अनुग्रह का मार्ग) के रूप में जाना जाता था तथा स्कूल को रुद्रसम्प्रदाय कहा जाता था।

Q.13) मध्यकालीन भारत के धार्मिक इतिहास में सूफी आंदोलनों के विकास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद के विरोध में उठा था।
2. सूफियों ने धर्मशास्त्रियों द्वारा कुरान की कट्टर व्याख्या की आलोचना की।
3. सभी सिलसिलों के सूफियों ने 'शरीयत' कानूनों को नकार दिया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.13) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
इस्लाम के शुरुआती शताब्दियों में, धार्मिक उत्साही वाले लोगों का एक समूह जिसे 'सूफी' कहा जाता है,के द्वारा धार्मिक और राजनीतिक संस्था के रूप में खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद के विरोध में तप और रहस्यवाद पर बल दिया गया।	सूफियों ने धर्मशास्त्रियों द्वारा अपनाई गई 'कुरान और सुन्नत' (पैगंबर की परंपराओं) की व्याख्या करने की कट्टर परिभाषाओं और विद्वानों के तरीकों की आलोचना की। इसके बजाय उन्होंने ईश्वर के प्रति गहन श्रद्धा और प्रेम के माध्यम से मोक्ष प्राप्त करने पर जोर दिया।	कुछ सूफियों ने सूफी सिलसिलों की कट्टरवादी व्याख्या के खिलाफ आंदोलन शुरू किया। उन्होंने अनुष्ठानों को नजरअंदाज कर दिया और अत्यधिक तपस्वियों का पालन किया, ब्रह्मचर्य का पालन किया, आदि वे अलग-अलग नामों से जाने जाते थे, जैसे - 'कलंदर', 'मदारी', 'मलंग्स', 'हैदरी', आदि। उनकी जानबूझकर अवज्ञा के कारण उन्हें , बे-शरा, शरीयत के नाम से जाना जाता था। उन सूफियों के विपरीत, जिन्होंने शरीयत (बा-शरा) का अनुपालन किया था।

Q.14) संगम कालीन निम्नलिखित शब्दों पर विचार करें:

शब्द	संबद्धता
1. पलै (Palai)	बंजर भूमि
2. पनार (Panar)	गायन मंडली
3. पट्टीनापलै (Pattinappalai)	सीमा-शुल्क अधिकारी

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) 1, 2 और 3

Q.14) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
तोल्काप्पियम भूमि के पांच-प्रकार के विभाजन को संदर्भित करता है - कुरिनजी (पहाड़ी क्षेत्र), मुलई (पशुचारगाह), मरुदम (कृषि), नेयदाल (तटीय) और पलै (मरुस्थल)।	संगम युग के लोगों के बीच कविता, संगीत और नृत्य लोकप्रिय थे। शाही दरबार पनार और विरालियार नामक गायन मंडलों की भीड़ थी। वे लोक गीत और लोक नृत्यों के विशेषज्ञ थे।	भू-राजस्व राज्य की आय का मुख्य स्रोत था जबकि विदेशी व्यापार पर सीमा-शुल्क भी लगाया जाता था। पट्टिनाप्पलै पुहार के बंदरगाह में कार्यरत सीमा-शुल्क अधिकारियों को संदर्भित करता है।

Q.15) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दशमलव स्थान मूल्य प्रणाली का सबसे पुराना ज्ञात योग्य प्रमाण पिंगल के छंदसूत्र में पाया जा सकता है।
2. वराहमिहिर का पंचसिद्धांत शून्य का प्रतीक और संख्या दोनों के रूप में उपयोग करने वाला सबसे पुराना ज्ञात योग्य पाठ था।
3. अष्टांगसमग्र (Ashtangasamgraha) खगोल विज्ञान पर पहले ग्रंथों में से एक था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.15) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
सुल्वसूत्र उस स्थल की तैयारी के लिए मैनुअल थे जहाँ वैदिक यज्ञ अनुष्ठान किए जाने थे तथा उन्होंने ज्यामिति की नींव रखी। गणित शास्त्र (गणित) कहीं अधिक उन्नत था क्योंकि दशमलव स्थान मान प्रणाली का सबसे पुराना ज्ञात योग्य प्रमाण ज्योतिष पर एक	लेकिन इससे भी पहले के काम में, पिंगल के छंदसूत्र, शून्य प्रतीक का उल्लेख मैट्रिक्स में प्रयुक्त डॉट के रूप में करता है। वराहमिहिर का **पंचसिद्धांत, जो गुप्त काल से संबंधित था, शून्य का प्रतीक और संख्या दोनों के रूप में उपयोग करने के लिए सबसे आरंभिक**	चिकित्सा के क्षेत्र में, वाग्भट्ट इस अवधि के थे। वह प्राचीन भारत की महान चिकित्सा तिकड़ी के अंतिम विद्वान थे। अन्य दो विद्वान चरक और सुश्रुत गुप्त युग से पहले के थे। **वाग्भट अष्टांगसमग्रह (चिकित्सा की आठ शाखाओं का**

तीसरी शताब्दी के कार्य में पाया जा सकता है जिसे **सफ़ुजिध्वजा (Sphujidhvaja)** द्वारा **यवनजटक (Yavanajataka)** कहा जाता है (जो कि शून्य का उल्लेख नहीं करता है)।	**ज्ञात पाठ था।**	**सारांश) के लेखक** थे। सुश्रुत की सुश्रुत संहिता शल्य चिकित्सा से संबंधित है।

Q.16) अभिधर्मकोश, आज भी बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण विश्वकोश माना जाता है, यह निम्नलिखित में से किसके द्वारा लिखा गया था?

a) बुद्धघोष
b) धर्मकीर्ति
c) वसुबंधु
d) अश्वघोष

Q.16) Solution (c)

- असंग और वसुबंधु दो भाई थे, जिन्होंने चौथी शताब्दी ईस्वी में पंजाब क्षेत्र में प्रचार-प्रसार किया था।
- असंग अपने गुरु मैत्रेयनाथ द्वारा स्थापित योगाचार या विज्ञानवाद स्कूल के सबसे महत्वपूर्ण शिक्षक थे।
- वसुबंधु का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य, 'अभिधर्मकोश', अभी भी बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण विश्वकोश माना जाता है।
- अश्वघोष संस्कृत में 'बुद्धचरित' के लेखक हैं।
- पांचवीं शताब्दी में रहने वाले बुद्धघोष एक महान पाली विद्वान थे। उनका सबसे प्रसिद्ध कार्य 'विशुद्धिमग्गा' (शुद्धिकरण का मार्ग) है', जो बुद्ध के मोक्ष के थेरवाद की अवधारणा का एक व्यापक सारांश और विश्लेषण है।
- दिङ्नाग को बौद्ध तर्क के संस्थापक के रूप में जाना जाता था। धर्मकीर्ति जो सातवीं शताब्दी ईस्वी में रहते थे, एक महान बौद्ध तर्कशास्त्री, सूक्ष्म दार्शनिक विचारक और वार्ताकार थे।

Q.17) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

साहित्यिक कार्य	लेखक
1. रघुवंशम्	कालिदास
2. देवीचन्द्रगुप्तम	दंडिन
3. मृच्छकटिकम्	शूद्रक
4. पंचतंत्र की कहानियाँ	विशाखदत्त
5. किरातार्जुनीयम्	भारवि

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1, 2 और 4
b) केवल 3, 4 और 5

c) केवल 1, 3 और 5
d) केवल 1, 2, 3 और 4

Q.17) Solution (c)

- गुप्त काल में संस्कृत भाषा प्रमुख हो गई थी। नागरी लिपि ब्राह्मी लिपि से विकसित हुई थी।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय का दरबार प्रतिष्ठित नवरत्नों द्वारा सुशोभित था। उनके बीच कालिदास सबसे महत्त्वपूर्ण थे। उनका मुख्य कार्य संस्कृत नाटक शकुंतला था। इसे संसार की 'सौ सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों' में से एक माना जाता है। उन्होंने दो अन्य नाटक - मालविकाग्निमित्र और विक्रमोवर्शियम लिखे। उनके दो प्रसिद्ध महाकाव्य रघुवंश और कुमारसंभव हैं। ऋतुसंहार और मेघदुत उनके दो गीत काव्य हैं।
- विशाखदत्त इस अवधि के एक और प्रतिष्ठित लेखक थे। वह दो संस्कृत नाटकों, मुदाराक्षस और देवीचंद्रगुप्तम के लेखक थे।
- शुद्रक इस युग के एक प्रसिद्ध कवि थे तथा उनकी पुस्तक मृच्छकटिकम हास्य और करुणा में समृद्ध है।
- भारवि की किरातार्जुनीयम् अर्जुन और शिव के बीच संघर्ष की कहानी है। दंडिन कविदास और दासकुमारचारित के लेखक थे।
- इस अवधि का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य वासवदत्ता, सुबंधु द्वारा लिखा गया था। गुप्त काल के दौरान पंचतंत्र की कहानियां विष्णु शर्मा द्वारा रची गई थीं। बौद्ध लेखक अमरसिंह ने अमरकोश नाम के एक ग्रंथ की रचना की।

Q.18) निम्नलिखित विदेशी यात्रियों में से किसने गंगा की घाटी को 'ब्राह्मणवाद की भूमि' (land of Brahmanism) कहा था?

a) मेगस्थनीज़
b) मार्को पोलो
c) टॉलेमी
d) फा ह्यान

Q.18) Solution (d)

- प्रसिद्ध चीनी तीर्थयात्री फ़ा ह्यान ने चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल के दौरान भारत का दौरा किया था। अपने नौ साल भारत में रहने के बाद, उन्होंने गुप्त साम्राज्य में छह साल बिताए। फा ह्यान गुप्त साम्राज्य की धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है।
- उनके अनुसार, उत्तर पश्चिमी भारत में बौद्ध धर्म एक उत्कर्ष की स्थिति में था लेकिन गंगा की घाटी में यह उपेक्षा की स्थिति में था। वह गंगा की घाटी को 'ब्राह्मणवाद की भूमि' के रूप में संदर्भित करता है। फा-ह्यान में कपिलवस्तु और कुशीनगर जैसे कुछ बौद्ध पवित्र स्थानों की असंतोषजनक स्थिति का उल्लेख है। उनके अनुसार साम्राज्य की आर्थिक स्थिति समृद्ध थी।

Q.19) शासक कनिष्क द्वारा निम्नलिखित महान विद्वानों और प्रख्यात व्यक्तित्वों में से किसे संरक्षण दिया गया था?

1. अगेसीलौस (Agesilaus)
2. नागार्जुन
3. मातंग दिवाकर
4. चरक

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1, 2 और 4
c) केवल 2, 3 और 4

d) केवल 1, 2 और 3

Q.19) Solution (b)

- कुषाण वंश के सबसे महत्वपूर्ण शासक कनिष्क (78 - 120 ई.) ने उस समय के महान विद्वानों और प्रख्यात व्यक्तित्वों का संरक्षण किया:
- अश्वघोष: एक बौद्ध विद्वान, जिन्होंने बुद्धचरित (बुद्ध की पवित्र जीवनी) लिखी तथा सौन्दरानंद (एक संस्कृत काव्य) की रचना की।
- चरक: उन्हें आयुर्वेद के पिता के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने चरकसंहिता नाम की दवा पर एक किताब लिखी थी
- वसुमित्र: एक प्रसिद्ध दार्शनिक जिनके द्वारा लिखित बौद्ध दर्शन के ज्ञानकोश को महाविभाषा कहा जाता है।
- नागार्जुन: उन्हें अक्सर एक भारतीय आइंस्टीन कहा जाता है जिन्होंने अपने समय में थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी का प्रस्ताव एक सूत्र, प्रजना परिमता सूत्र (*Prajna Parimata Sutra*) के रूप में किया। वह महायान सिद्धांत के एक महान प्रतिपादक थे और उन्होंने माध्यमिका (जिसे सूर्यवद स्कूल भी कहा जाता है) को प्रचारित किया, जो शून्यता पर केंद्रित है
- मथारा: वह एक मंत्री थे जो अपने असामान्य बुद्धिमत्ता के लिए जाने जाते थे।
- अगेसीलौस: एक यूनानी इंजीनियर, जिनके मार्गदर्शन में, यह माना जाता है, पुरुषपुर का महान स्तूप बनाया गया था।
- हर्षवर्धन (606 – 647 ई.) विद्या के महान संरक्षक थे। उनके जीवनी लेखक बाणभट्ट ने उनके शाही दरबार को सुशोभित किया। हर्षचरित के अलावा, उन्होंने कादम्बरी लिखी। हर्ष के दरबार में अन्य साहित्यकार मातंग दिवाकर और प्रसिद्ध वृहतहरि थे, जो कवि, दार्शनिक और व्याकरणविद थे।

Q.20) इब्न बतूता, एक विदेशी यात्री के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वह एक इतालवी यात्री था।
2. वह मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल के दौरान भारत आया था।
3. उनकी यात्रा की पुस्तक को 'किताब-उल-हिंद' कहा जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.20) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
मोरक्को का एक विदेशी यात्री इब्न बतूता 1333 में सिंध पहुंचा।	उन्होंने दिल्ली के सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक के बारे में सुना था तथा मुल्तान और उच से गुजरते हुए उन्हें दिल्ली के लिए स्थापित एक उदार कला और ज्ञान के संरक्षक के रूप में इसकी प्रतिष्ठा ने आकर्षित किया था। सुल्तान उनकी	उन्होंने अरबी में यात्रा पर 'किताब-उल-रिहला' लिखी। 'किताब-उल-हिंद' फारस के अल-बरूनी द्वारा लिखी गई थी।

	विद्वता से प्रभावित हुए, और उन्हें दिल्ली का क़ाज़ी या न्यायाधीश नियुक्त किया।	

Q.21) मिहिर शाह समिति किसका एक नया मसौदा तैयार करने के लिए गठित किया गया है

a) राष्ट्रीय जल नीति
b) राष्ट्रीय वन नीति
c) विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) नीति
d) राष्ट्रीय खनिज नीति

Q.21) Solution (a)

- एक नई राष्ट्रीय जल नीति (NWP) का मसौदा तैयार करने के लिए केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय द्वारा मिहिर शाह समिति का गठन किया गया।
- समिति में 10 प्रमुख सदस्य हैं, जिसकी अध्यक्षता मिहिर शाह कर रहे हैं, जो एक पूर्व योजना आयोग के सदस्य और एक जल विशेषज्ञ हैं।

Q.22) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

टाइगर रिजर्व	**राज्य**
1. सतकोसिया	राजस्थान
2. बुक्सा	पश्चिम बंगाल
3. पलामू	ओडिशा

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 2 और 3
b) केवल 1
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.22) Solution (c)

- पलामू भारत के झारखंड राज्य का एकमात्र टाइगर रिजर्व है।
- बुक्सा टाइगर रिजर्व पश्चिम बंगाल में है।
- सतकोसिया टाइगर रिजर्व ओडिशा में है।

Q.23) अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह संयुक्त राष्ट्र (UN) की विशेष एजेंसी है।
2. शिकागो कन्वेंशन ने मुख्य सिद्धांतों की स्थापना की, जो हवाई मार्ग से अंतर्राष्ट्रीय परिवहन की अनुमति देते हैं तथा आईसीएओ के निर्माण का नेतृत्व किया।

3. इसका मुख्यालय शिकागो में है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) 1, 2 और 3

Q.23) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) 1944 में स्थापित एक विशिष्ट संयुक्त राष्ट्र (UN) एजेंसी है। इसने शांतिपूर्ण वैश्विक हवाई नेविगेशन के लिए मानकों और प्रक्रियाओं की नींव रखी।	शिकागो में इंटरनेशनल सिविल एविएशन पर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। कन्वेंशन ने मूल सिद्धांतों की स्थापना की जो हवा में अंतर्राष्ट्रीय परिवहन की अनुमति देते हैं तथा आईसीएओ के निर्माण का नेतृत्व करते हैं।	इसके 193 सदस्य हैं (भारत सहित) और इसका मुख्यालय मॉन्ट्रियल, कनाडा में है।

Q.24) नासा का PUNCH मिशन (PUNCH Mission) क्या है

a) अंतरिक्ष मलबे को हटाना
b) निचले वातावरण में तरंगों का अध्ययन करना
c) संभावित रूप से रहने योग्य बाह्य ग्रहों (एक्सोप्लैनेट) की खोज करना
d) सूर्य के बाहरी कोरोना का अध्ययन करना

Q.24) Solution (d)

- PUNCH मिशन **"कोरोना और हेलिओस्फेयर को एकरूप करने के लिए पोलारिमीटर (Polarimeter to Unify the Corona and Heliosphere)"**, सूर्य के बाहरी कोरोना से सौर वायु तक कणों के संक्रमण को समझने के लिए एक नासा का मिशन है, जो अंतरिक्षीय अंतरिक्ष को भरता है।
- PUNCH और भारतीय मिशन आदित्य एल 1 से संयुक्त निष्कर्षों का उपयोग करके सूर्य का निरीक्षण करने की योजना है।

Q.25) निम्नलिखित देशों में से कौन से देश भू-अवरुद्ध (landlocked) हैं?

1. कोलम्बिया
2. कंबोडिया
3. बोलीविया
4. इथियोपिया
5. आर्मीनिया

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 3, 4 और 5

c) केवल 2, 3 और 5
d) केवल 1, 2 और 4

Q.25) Solution (b)

- बोलीविया, इथियोपिया और आर्मेनिया भू-अवरुद्ध वाले देश हैं।

Q.26) 'कैल पोध' (Kail Podh) महोत्सव निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित है?

a) महाराष्ट्र
b) कर्नाटक
c) गोवा
d) सिक्किम

Q.26) Solution (b)

कैलपोध (Kailpodh), फसल त्यौहार कोडव (Kodavas) के लिए चावल की जुताई, बुवाई और रोपाई के कठिन परिश्रम में शामिल होने के बाद दावत का समय है। यह दो त्योहारों में से एक है जो केवल कोडव मनाते हैं, दूसरा दिसंबर के दौरान 'पुत्तरी' है।

कोडव (कोडवा, कूर्ग के रूप में प्रतिष्ठित), कोडागु के क्षेत्र (दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में) से एक पितृवंशीय नृवंशीय-लिंग जनजाति माना जाता है, जो मूल रूप से कोडवा भाषा बोलते हैं।

Q.27) 'CT-TTX' (आतंकवाद-निरोधी तालिका-शीर्ष अभ्यास) हाल ही में समाचारों में था। निम्नलिखित देशों में से कौन से अभ्यास के प्रतिभागी थे?

1. भारत
2. ऑस्ट्रेलिया
3. जापान
4. अमेरीका

सही कूट का चयन करें:

a) 1,2 और 3
b) 2, 3 और 4
c) 1, 3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.27) Solution (d)

राष्ट्रीय जांच एजेंसी, "क्वाड" देशों - भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के लिए आतंकवाद-रोधी पहला अभ्यास आयोजित कर रही है।

'CT-TTX' (आतंकवाद-निरोधी तालिका-शीर्ष अभ्यास) क्वाड देशों के बीच आम हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर तथा आतंकवाद-रोधी और सहयोग के क्षेत्र में पहली बार इस प्रकार का सहयोग है।

Q.28) 'विशेष जलवायु परिवर्तन कोष (SCCF)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह 2001 में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के तहत: संबंधित परियोजनाओं के लिए वित्त: अनुकूलन; प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण; ऊर्जा, परिवहन, उद्योग, कृषि, वानिकी और अपशिष्ट प्रबंधन; तथा आर्थिक विविधीकरण के लिए स्थापित किया गया था।
2. वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) को SCCF को संचालित करने का कार्य सौंपा गया है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.28) Solution (c)

GEF में रखे गए, SCCF की स्थापना 2001 में UNFCCC में सभी विकासशील देश के पक्षों में जलवायु परिवर्तन परियोजनाओं को चार वित्तपोषण विंडो: अनुकूलन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, सेक्टर-विशिष्ट परियोजनाओं और ईंधन पर निर्भरता के विविधीकरण के साथ सहायता करने के लिए की गई थी।

Q.29) 'डानाकिल डिप्रेशन' (Danakil Depression) हाल ही में समाचारों में था। यह कहाँ स्थित है?

a) इंडोनेशिया
b) इथियोपिया
c) अफ़ग़ानिस्तान
d) रूस

Q.29) Solution (b)

डनाकिल डिप्रेशन इथियोपिया में अफ़ार त्रिकोण (Afar Triangle) या अफ़ार डिप्रेशन का उत्तरी हिस्सा है, जो एक भूवैज्ञानिक डिप्रेशन है जो हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका में तीन टेक्टोनिक प्लेटों के विचलन के कारण हुआ है।

दनाकिल डिप्रेशन तीन टेक्टोनिक प्लेटों के ट्रिपल जंक्शन पर स्थित है तथा इसका एक जटिल भू-वैज्ञानिक इतिहास है। यह अफ्रीका और एशिया के अलग होने के परिणामस्वरूप विकसित हुआ है, जिससे स्थानांतरण और ज्वालामुखी गतिविधि हुई है। समुद्र के द्वारा क्षरण, बाढ़, जमीन का बढ़ना और गिरना, सभी इस अवसाद के निर्माण में अपनी भूमिका निभाते हैं। बलुआ पत्थर और चूना पत्थर जैसी तलछटी चट्टानें बेसाल्ट द्वारा असंयमित रूप से एकत्रित होती हैं जिसके परिणामस्वरूप व्यापक लावा प्रवाह होता है।

Q.30) 'चियांग माई पहल (Chiang Mai Initiative- CMI)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह आपातकाल के समय में विदेशी मुद्रा विनिमय के लिए एक तंत्र है।
2. इसे आसियान + 6 देशों द्वारा आरंभ किया गया था।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (a)

चियांग माई पहल (सीएमआई) दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान), पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (हांगकांग सहित), जापान और दक्षिण कोरिया के दस सदस्यों के बीच एक बहुपक्षीय मुद्रा स्वैप व्यवस्था है।

मूल रूप से, चियांग माई पहल को, 1997 के एशियाई वित्तीय संकट से सीखे गए पाठों के आधार पर क्षेत्रीय वित्तीय सहयोग के लिए एक उपकरण के रूप में 2001 में स्थापित किया गया था। 2009 में, इस क्षेत्र के एक बार फिर से वैश्विक वित्तीय संकट द्वारा प्रभावित होने के बाद, स्वैप समझौतों को एक समूह के रूप में शुरू करने से, तंत्र चियांग माई पहल बहुपक्षवाद (CMIM) बन गया।